THE MAHARAJA SAYAJIRAO UNIVERSITY OF BARODA

सत्यं शिवं सुन्दरम्

Estd. 1949

मातेव नो रक्षति शाङ्करभाष्यशक्तिः।

मातृवत् शाङ्करभाष्य की सहज शक्ति ही हमारा रक्षण करेगी।

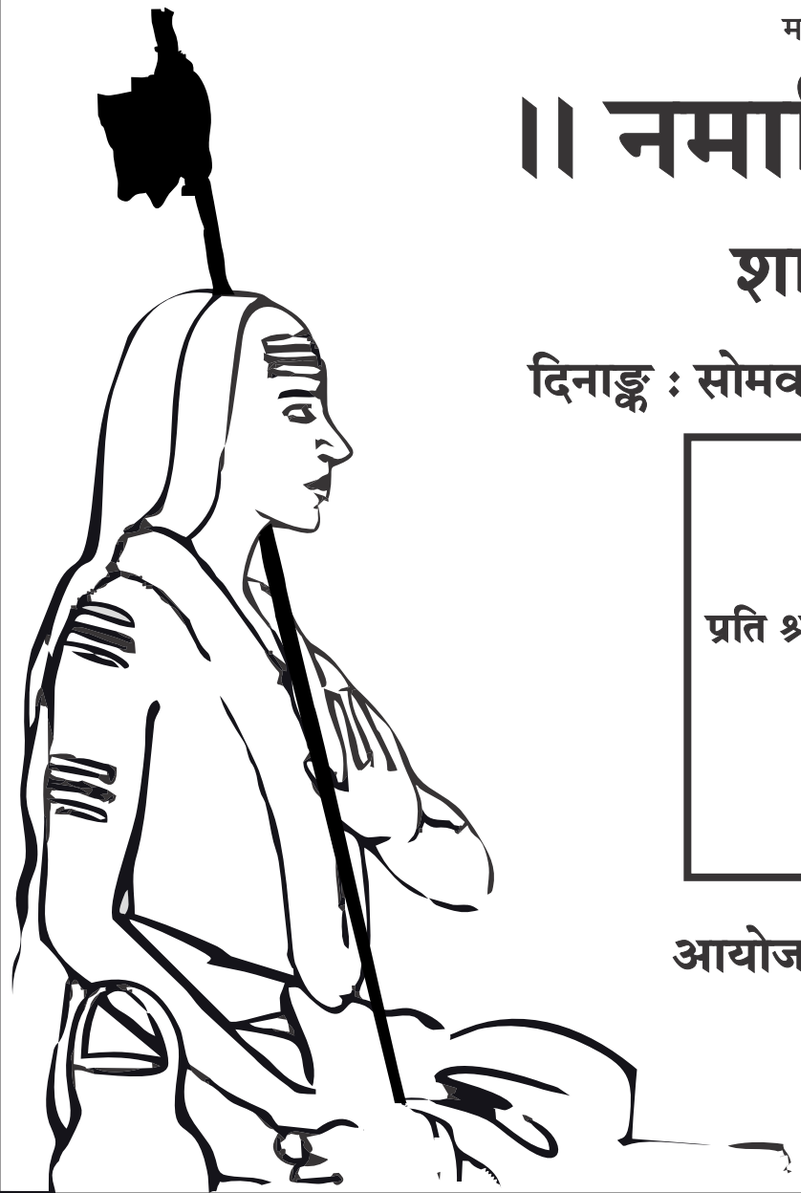

।। नमामि शङ्करम्, २०१८ ।।

शाङ्करभाष्यपारायणाञ्जलिः

दिनाङ्क : सोमवार १२/११/२०१८ से शुक्रवार २३/११/२०१८

बुक पोस्ट

प्रति श्री _____

_____

_____

आयोजन स्थल : वडोदरा संस्कृत महाविद्यालय,
महाराजा सयाजीराव युनिवर्सिटी,
वडोदरा

निमंत्रक :
नमामि शङ्करम्, २०१८
वडोदरा

हार्दिक आमंत्रण

सम्पर्क सूत्र :
98790 17898, 98253 34467, 98250 35232
namamishankaram.vadodara@gmail.com

मातेव नो रक्षति शाङ्करभाष्यशक्तिः।

मातृवत् शाङ्करभाष्य की सहज शक्ति ही हमारा रक्षण करेगी।

शाङ्करभाष्यपारायणाञ्जलिः २०१८

हार्दिक आमंत्रण

दिनाङ्क :

सोमवार १२/११/२०१८

से

शुक्रवार २३/११/२०१८

शुभ स्थल :

वडोदरा संस्कृत महाविद्यालय,
महाराजा सयाजीराव युनिवर्सिटी,
वडोदरा

आयोजकाः

भगवत्पादभक्तमण्डली,
आदिशङ्करब्रह्मविद्यापीठ, उत्तरकाशी

नमामि शङ्करम्, २०१८
वडोदरा

वडोदरा संस्कृत महाविद्यालय,
महाराजा सयाजीराव युनिवर्सिटी, वडोदरा

दिव्य जीवन संघ,
वडोदरा

साकारवानेव हि वेदधर्मः सार्थवती येन सरस्वती च।
सौम्यः स शङ्करधृतावतारो लोके चकास्ति किल शङ्करार्यः॥

प्रिय भक्तजनों ॐ नमो नारायणाय !

वेद को प्रमाण न मानकर केवल स्वच्छन्द विचारों से लक्ष्य की ओर अग्रसर नास्तिक दर्शनों के प्रगल्भ प्रभाव से मूर्छित भारतीय वैदिक संस्कृति को मूर्तिमंत स्वरूप देकर उसकी अस्मिता और गौरव को यदि पुनः प्रस्थापित किया हो तो उसका श्रेय भगवत्पाद भगवान् आदि शङ्कराचार्य जी को ही जाता है।

"ब्रह्मसत्यं जगन्मिथ्या, एकमेवाद्वितीयम्" यह है हमारी अद्वैत वैदिक संस्कृति। मानव समाज के कल्याण के लिए भगवान् आदि शङ्कराचार्य जी ने प्रस्थानत्रयी (उपनिषद्, ब्रह्मसूत्र और भगवद्गीता) पर वैदिक सिद्धान्तानुकूल प्रमाणिक भाष्यों की रचना अपने अल्प जीवन काल में की, और भारतीय संस्कृति पर छाये हुए अंधकार को प्रकाश में बदल दिया ।

भगवान् शङ्कराचार्य रचित इस वैदिक साहित्य के रक्षण और प्रचारार्थ ब्रह्मविद्यापीठ श्रीकैलासआश्रम ऋषिकेश के दशम पीठाधीश्वर ब्र. आ. म. म. विद्यानन्द गिरि जी महाराज ने उपनिषद्, ब्रह्मसूत्र और भगवद्गीता पर अष्टादशाह प्रवचनों एवं शङ्करभाष्य का नियमित पारायण हो ऐसा पर्याय संत समाज और गृहस्थों को देकर कई मुमुक्षओं को ऋषिकेश में गंगामैया के समक्ष संकल्पित कर प्रोत्साहित किये।

अब इस परम्परा को आदि शङ्करब्रह्मविद्यापीठ उत्तरकाशी सोमाश्रमस्थ संस्थानवासी संतगण अपनी कर्तव्यनिष्ठा समझकर; अध्ययन और अध्यापन में रत साधकों को एवं जिज्ञासुओं को लाभान्वित करने के लिए, "भगवत्पाद भक्तमण्डली" नामक मण्डल बनाकर, पिछले १० सालों से, सारे भारत वर्ष में शाङ्करभाष्य पारायण और वेदान्त के विषयों पर प्रवचनों का कार्यक्रम आयोजित करते हैं। जो कोई साधक नित्य पारायण करने का संकल्प लेना चाहे तो उसे संस्था की ओर से भाष्य के सभी ग्रन्थ निःशुल्क दिये जाते हैं।

ऐसा ही ग्यारहवाँ शाङ्कर भाष्य पारायणाञ्जलि कार्यक्रम **"नमामि शङ्करम्, २०१८, वडोदरा" के माध्यम से सोमवार दिनाङ्क १२-११-२०१८ से शुक्रवार दिनाङ्क २३-११-२०१८ तक आयोजित किया गया है ।**

"मातेव नो रक्षति शाङ्करभाष्यशक्तिः"। मातृवत् शाङ्करभाष्य की यह प्राकृतिक सहज शक्ति ही हमारा संरक्षण करने में समर्थ है। ब्रह्मसूत्र में भी कहा गया है "आवृत्तिरसकृदुपदेशात्"। विषय की बार बार पुनरावृत्तिरूप पठन-पाठन से ही ज्ञानवृद्धि होती है। हमारे इस पवित्र उद्देश्य में आप का सहयोग ही इस ज्ञानयज्ञ को सफल बनाने में सहायक रहेगा। ॐ।

परम मार्गदर्शक :
पूज्यपाद श्रीमत् दण्डी स्वामी
श्रीसदानन्द सरस्वतीजी महाराज, द्वारका

अध्यक्ष :
पूज्य श्रीमत्स्वामी शर्वानन्द गिरिजी महाराज
नमामि शङ्करम्, शाङ्करभाष्यपारायणाञ्जलिः

संयोजक :
पूज्य हरिब्रह्मेन्द्रानन्द तीर्थजी महाराज
नमामि शङ्करम्, शाङ्करभाष्यपारायणाञ्जलिः

आयोजक :
नमामि शङ्करम्, २०१८
वडोदरा

पापान्निवारयति शास्ति तदैव धर्मं मोहं विहापयति चातनुते हि विद्याम्।
वाणी च सा हितकरी मधुरा सदैव मातेव रक्षति हि शाङ्करभाष्यशक्तिः॥

Dear Friends,

We cordially offer our invitation to attend, join, support this endeavour of first of its kind of Spiritual Camp at Vadodara *"Namami Shankaram, 2018, Vadodara"* under the Elderly Spiritual Guidance of Shri Bhagvadpad Bhakta Mandali, Aadi Shankar Brahmavidyapith, Somashram, Uttarkashi, spread over 12-days, of *"Prasthantrayi Bhashya Parayana"*.

An objective of *Prasthantrayi Bhashya Parayana* is to help share wisdom associated with the recitation of Adi Shankaracharyaji's Bhashyam by oneself or in the group of the likeornted students day by day, regularly, incessantly. This ensures to attain the unfolding of its latent meaning very powerfully enough like from almost the rooftop. As is proclaimed in "Brahmasutra": **आवृत्तिरसकृदुपदेशात्** meaning the recitation of and the listening to the Bhashyam again and again helps us reinforce our Vedic Knowledge. The great Message is **'मातेव नो रक्षति शाङ्करभाष्यशक्तिः'**, that is to say, the innate power of Shankarbhashya will guard us like a loving mother.

Vadodara Sanskrit Mahavidyalaya; the M.S.University of Baroda; Shri Divya Jivan Sangh, Vadodara, have consented to collaborate and help provide us with their Campus,University Guest House,Office Infrastructure facilities. Still, we will be requiring to have solicited of the fund to provide for the travelling and boarding in terms of a large chunk of money.

We hope and pray to cooperate, contribute, donate large heartedly for this auspicious cause. Please make your contribution preferably by cheque in the name of Divine Life Society A/c, Namami Shankaram (Ac.No. 01910100023243 Bank of Baroda). Donations are exempt under Section-80-G of Income Tax Act, 1961.

We once again, earnestly request you to attend, join, support this endeavor of us working together for a very enriching spiritual celebration in the Cultural City of Vadodara at University Campus.

!! Hari: Aum !!

Namami Shankaram, 2018, Vadodara

Gopal Shah, Sita Ram Agrawal, Vinayak Desai, Piyush Dave, Jayant Dave, Tushar Vyas

---

॥ आज तक किये गये शाङ्करभाष्य पारायणों की सूचि ॥

०१. आदिशङ्कर-निलयम्-वेलीयानाड-केरला (२००७)
०२. बदरीनाथ उत्तराखण्ड-हिमालय (२०१०)
०३. शृंगेरी शारदापीठ कर्नाटक (२०१२)
०४. चिन्मय विभूति कोलवण-पूना-महाराष्ट्र (२०१४)
०५. सन्तराम मंदिर नडीयाद-गुजरात (२०१४)
०६. शिवानन्द आश्रम अमदावाद-गुजरात (२०१५)
०७. शारदा पीठ द्वारका-गुजरात (२०१६)
०८. सन्तराम मंदिर नडीयाद-गुजरात (२०१७)
०९. तोटकाचार्य आश्रम उत्तरकाशी (२०१७)
१०. नमामि शङ्करम् - स्वामी विवेकानन्द केन्द्र, कन्याकुमारी (२०१७)

।। शाङ्करभाष्य पारायणाञ्जलि कार्यक्रमः ।।

शुभारंभ : १२ नवेम्बर २०१८, सायं ४:३०

प्रस्थानत्रयी शाङ्करभाष्य पारायण क्रम : १३ से २३ नवेम्बर २०१८, प्रातः ६ से सायं ४ बजे तक

समापन : २३ नवेम्बर २०१८, सायं ४:३०

-: प्रथम सत्र विषय एवं वक्ता :- ब्रह्मसूत्र-उपनिषदोंका सार गर्भित विवेचन, सायं ४-३० से ५.४५	दिनांक	-: द्वितीय सत्र विषय एवं वक्ता :- शान्ति और समता हेतु अद्वैत दर्शन की परम साधनता, सायं ६.१५ से ७.३०
◉ ब्रह्मसूत्र परिचय। Brahma Sutra Darshan. श्रीमत्स्वामी शर्वानन्दगिरि जी महाराज।		
◉ अध्यास निरूपणम् । (ब्र.१-१-१) Adhyas Bhashya. श्रीमत्स्वामी हरिब्रह्मेन्द्रानन्द तीर्थ जी महाराज।		
◉ समन्वयाधिकरणम् -- अद्वैतज्ञान में उपनिषदों का समन्वय। (ब्र.१-१-४) Samanvaya- Applicability of Upnishads in non-Duality. डॉ. रामपाल शुक्लाजी।		
◉ आनन्दमयाधिकरणम् - ब्रह्मानन्द प्राप्ति साधन। (ब्र.१-१-६) Topics of Anandamaya vedantic method of experiencing Bliss. प्रो. योगेशभाई ओझाजी।		
◉ दहराधिकरणम् - हृदय में ब्रह्मोपासना। (ब्र. १-३-५) Dahar Vidya- Self inquiry in the Heart. श्रीमत्स्वामी संवित् भास्करगिरि जी महाराज।		
◉ कारणत्वाधिकरणम्-ब्रह्म ही समग्र सृष्टि का कारण।(ब्र. १-४-४) Karanatva Adhikaranam -- Supreme consciousness is the cause of creation. आदर्श महामण्डलेश्वर श्रीमत्स्वामी विरागानन्दगिरि जी महाराज।		
◉ आरम्भणाधिकरणम्-वेदान्त में कार्य-कारण प्रतिपादन के प्रयोजन। (ब्र.२-१-६) Purpose of Cause And effect theory in Vedanta. श्रीमत्स्वामी परमानन्दगिरि जी महाराज।		
◉ तदन्तरप्रतिपत्त्यधिकरणम् -- परलोकगति विषयक चिन्तन। (ब्र.३-१-१) Tad-antra pratipatti Adhikaranam- life after death. डॉ. जयदेवभाई जानी।		
◉ उभयलिङ्गाधिकरणम्-सविशेष व निर्विशेष ब्रह्म प्रतिपादन। (ब्र.३-२-५) Ubhay-ling adhikaranam Brahma with and without attributes. श्रीमत्स्वामी गौरीशानन्द तीर्थजी महाराज।		
◉ ब्रह्म विचारसे स्वरूप प्राप्ति- संपूर्ण चतुर्थाध्याय का सारावलोकन। Fruitless Results of Brahma Vichar. श्रीमत्स्वामी शर्वानन्दगिरि जी महाराज।		
	१३/११	◉ वेदान्तदर्शन में प्रमाण विचार। Means of Self-Knowledge. श्रीमत्स्वामी ब्रह्मात्मानन्दजी महाराज।
	१४/११	◉ वेदान्त चिंतन में साधन-साध्य और अधिकारी। Purpose and Eligibility for Study of Vedant. पू. स्वामीनी विद्याप्रकाशानन्दजी ।
	१५/११	◉ कर्ममीमांसा। Roll of Action in Life. पू. स्वामीनी स्वप्रकाशानन्दजी।
	१६/११	◉ आत्मदर्शन में भक्ति । Bhakti in Aatmadarshan. पू. स्वामीनी धन्यानन्दजी।
	१७/११	◉ पूर्वजन्म से पुनर्जन्म । Past Birth To Future Birth श्रीमत्स्वामी मुदितवदनानन्दजी।
	१८/११	◉ अध्यारोप-अपवाद प्रक्रिया। Superimposition & Negation Methodology for The TRUTH. श्रीमत्स्वामी परमात्मानन्दजी महाराज।
	१९/११	◉ अवच्छेदवाद, प्रतिबिम्बवाद और आभासवाद। Principals of Limitations, Reflections and Illusions in Brahman. श्रीमत्स्वामी मुक्तात्मानन्दजी।
	२०/११	◉ ब्रह्मदर्शन में तटस्थ और स्वरूपलक्ष्ण विचार। Phenomenal & Innate Nature in Brahman. पू. स्वामीनी तन्मयानन्दजी।
	२१/११	◉ व्यवहार में वेदान्त। Vaidic Way of Life. डॉ. गार्गीजी पण्डित।
	२२/११	◉ आत्मा वाऽरे द्रष्टव्यः श्रोतव्यो मन्तव्यो निदिध्यासितव्यो। श्रीमत्स्वामी विदितात्मानन्दजी महाराज।